*** रूहानी मिलन ***

यह कैसा रूहानी प्यार दिलमें जगा गया**
अखियों को मिलन की चाह से चमका गया**
अपनी प्रेम की मुस्कराहटों से रोशन कर गया**
पल भर के मिलन की छाप दिल पर लगा गया**
अपने हस्त कमलो से वरदानी सुख दे गया**
श्रीमत पर सदा चलने का वचन ले गया**
अपने दिल में और नैनों में हमकों बसा गया**
हरेक को अपने बाहों में झुला गया**
**दिल में मिलने की एक फिर नयी

उमंग जगा गया****
अपनों से प्यार का एहसास दिला गया**